drugs & formulations and in view of the wider-takings given by the companies in the Hon'ble Court, these companies became liable to deposit the over-charged amounts into DPEA. i

जीवन रक्षक औषधियों का निर्माण

1115. **श्री अजीत जोगी** :

श्री एस. एस. सुरजेवाला :

क्या रसायन और उर्वस्क मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारत में जीवन-रक्षक औषधियों का निर्माण किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षो के दौरान कितने मूल्य की ऐसी औषधियों का निर्माण किया गया और इसमें से कितने मूल्य की औषधियों का निर्यात किया गया;

(ग) क्या जीवन-रक्षक औषधियों का आयात-निर्यात से अधिक किया जा सकता है और यदि हां, तो गत तीन क्यों के दौरान कितने मूल्य की औषधियों का आयात किया गया;

(घ) क्या देश में औषधियो के निर्माण में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो क्या इन औषधियों का निर्यात किया जा रहा है, और

(ड) यदि हां, तो तत्सबंधी ब्यौरा क्या हैं?

रसायन और उर्वस्क मंत्री (श्री एम. अरूणाचलम) (क) और (ख) "जीवन रक्षक" शब्द सापेक्ष है और यह रोग तथा इसकी परिस्थितियों पर निर्भर करता है भारत भेषजो के उत्पादन में अधिकतर आत्मनिर्भर है । 1993-94 से लेकर 1995-96 तक तीन वर्षो के दौरान औषधों के उत्पादन तथा निर्यात की कीमत इस प्रकार है:-

(रू0 करोड़ में)

वर्ष	**उत्पादन की कीमत**		**निर्यात की कीमत**	
	प्रपुज औषध	सूत्रयोग	प्रपुंज औषध	सूत्रयोग
1993-94	1320	6900.00	1029.60	771.80
1994-95	1518	7935.00	1260.70	924.00
1995-96	1822	9125.00	1098.00	1239.00

(ग) जी, नहीं । जहां तब ब्यौरे उपलब्ध हैं, प्रपुंज औषधों तथा सूत्रयोगों के आयात की कुल कीमत कुछेक वर्षो मे कुल निर्यात की तुलना में कम रही है । ब्यौरे इस प्रकार हैं:-

(रू0 करोड़ में)

वर्ष	**प्रपुंज औषधों और सूत्रयोगों के निर्यात की कुल कीमत**	**प्रपुंज औषधों तथा सूत्रयोगों के आयात की कुल कीमत** (**)	**व्यापार संतुलन**
1993-94	1801.40	751.07	(+) 1050.33
1994-95	2184.70	984.45	(+) 1200.25
1995-96	2337.00	1228.00 (अनुमानित)	(+) 1109.00 (अनुमानित)

(घ) और (ड) जी, हां,उत्पादन तथा निर्यात पिछले कई वर्षो से बढ़े है । ब्यौरे इस प्रकार है:-

(रू. करोड़ में)

वर्ष	**प्रपुंज औषधों और सूत्रयोगों के उत्पादन की कुल कीमत**	**प्रपुंज औषधों तथा सूत्रयोगों के निर्यात की कुल कीमत**
1993-94	8220.00	1801.40
1994-95	9453.00	2184.70
1995-96	10947.00	2337.00

*स्रोत केमोक्सिल ।

** डी जी एच एस ।

उर्वरकों की आपूर्ति

1116. **श्री एस.एस. सुरजेवाला:**
श्री अजीत जोगी:

क्या रसायन और अर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश के विभिन्न भागों को उनकी आवश्यका के अनुसार उर्वरकों की आपुर्ति नही की जा रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या उर्वरकों को विभिन्न स्थानों तक पहुंचाने के लिए सरकार ने कोई नीति बनाई है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री एम. अरुणाचलम): (क) से (ग) यूरिया जो मूल्य, वितरण एवं संचलन नियंत्रणों के अधीन एकमात्र उर्वरक है, की देश के विभिन्न भागों में आपुर्ति आवश्यक वस्तु अधिनियम (ई सी ए) 1955 के अधीन किए गए आबंटनों और मौसमवार कृषि आवश्यकतों के अमुसार की जाती है । अस्थाई और स्थानीयकृत कमियों को वैकल्पिक स्रोतों से तुरन्त आपुर्तियां करके पूरा किया जाता है ।

निर्माता एककों और पत्तनों से देश के विभिन्न भागों में यूरिया के प्रेषणों को विस्तृत संचलन योजना के अनुसार विनियमित किया जाता है । यूरिया और उर्वरकों के संचलन में बाधाओं को, यदि कोई हो, तो अंत: अभिकरण समन्वय के संस्थागत व्यवस्थाओं के माध्यम से दूर किया जाता है ।

नियंत्रणयुक्त उर्वरकों की उपलब्धता मांग और आपूर्ति की बाजार शाक्तियों द्वारा विनियमित की जाती है । खरीफ, 97 के दौरान देश में इसकी उपलब्धता मांग की तुलना में संतोषजनक रही है । पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू कश्मीर के दुर्गम क्षेत्रों में इन उर्वरकों के परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए भाड़ा लागत को अलग से चुकाने के लिए कृषि एवं सहकारिता विभाग, भारत सरकार की फास्फेटिक एवं पोटेसिक उर्वरकों पर रियासत योजना के तहत विशेष छूट प्रदान की गई है ।

Disruption or production in SSPL

1117. SHRI NILOTPAL BASU: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to refer to the reply to Unstarred Question 2128 given in the Rajya Sabha on the 14th March, 1997 and state:

(a) whether there has been a growth to 350% approximately in production and sale of SSPL in 1996-97 as compared to 1994-95;

(b) whether SSPL has made a cash profit of Rs. 3 lakhs (provisional) in March, 1997;

(c) whether inspite of the above, required non-plan support from Government and working capital from bank are not being provided leading to total disruption in production of SSPL; and

(d) if so, the reasons therefor and the action being taken by Government?